



Mrs.Anika kumari

03 Feb 2025

07:30 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 12111207

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 03/02/2025  
दिन \_\_\_\_\_: सोमवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 19:30:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 32:49:00 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Katihar  
राज्य \_\_\_\_\_: Bihar  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 25:33:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 87:34:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: 00:20:16 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 19:50:16 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:13:49 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 04:46:16 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:22:24 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:25:02 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:02:39 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 20:47:05 मकर  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 19:11:29 सिंह

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मीन - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: रेवती - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: बुध  
योग \_\_\_\_\_: साध्य  
करण \_\_\_\_\_: तैतिल  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: गज  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: सिंह  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: ची-चित्रलता  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कुम्भ

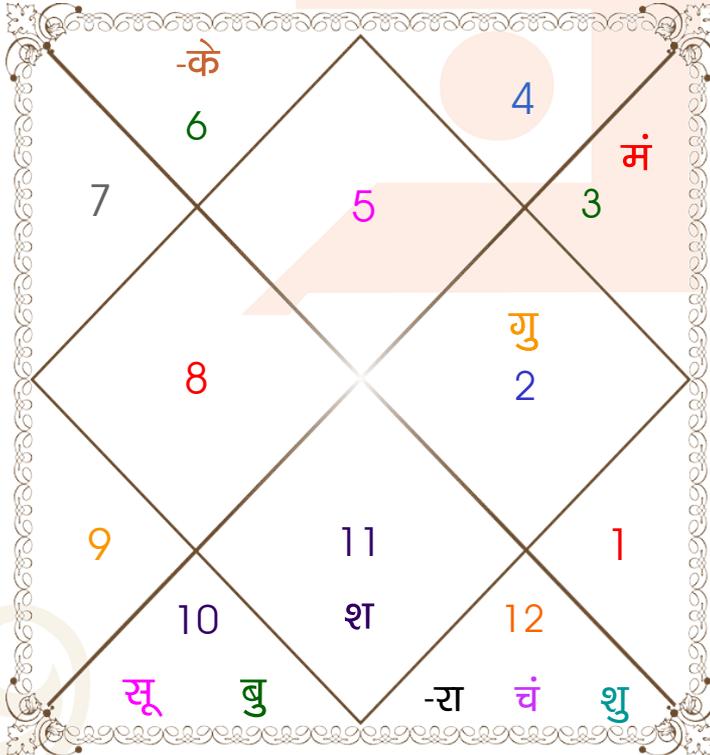
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:11:29	323:37:40	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मक	20:47:05	01:00:52	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	27:45:28	14:15:22	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल	व		मिथु	25:31:46	00:15:56	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	मक	16:30:53	01:41:50	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		वृष	17:04:18	00:00:10	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	05:14:03	00:45:09	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि			कुंभ	23:29:54	00:06:37	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	स्वराशि
राहु			मीन	03:58:23	00:01:30	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
केतु			कन्या	03:58:23	00:01:30	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	29:03:37	00:00:12	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	---
नेप			मीन	03:50:06	00:01:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:55:38	00:01:54	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	18:47:22	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

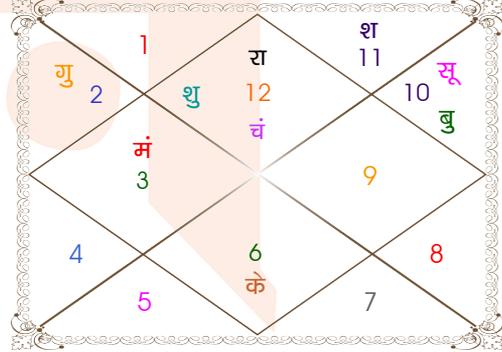
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:29

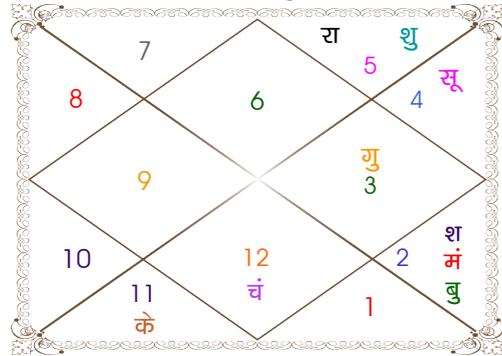
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 10 मास 9 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
03/02/2025	14/12/2027	14/12/2034	14/12/2054	14/12/2060
14/12/2027	14/12/2034	14/12/2054	14/12/2060	14/12/2070
00/00/0000	केतु 12/05/2028	शुक्र 15/04/2038	सूर्य 03/04/2055	चंद्र 14/10/2061
00/00/0000	शुक्र 12/07/2029	सूर्य 15/04/2039	चंद्र 02/10/2055	मंगल 15/05/2062
00/00/0000	सूर्य 17/11/2029	चंद्र 14/12/2040	मंगल 07/02/2056	राहु 14/11/2063
00/00/0000	चंद्र 18/06/2030	मंगल 13/02/2042	राहु 01/01/2057	गुरु 15/03/2065
00/00/0000	मंगल 14/11/2030	राहु 13/02/2045	गुरु 20/10/2057	शनि 14/10/2066
00/00/0000	राहु 02/12/2031	गुरु 15/10/2047	शनि 02/10/2058	बुध 15/03/2068
03/02/2025	गुरु 07/11/2032	शनि 14/12/2050	बुध 09/08/2059	केतु 14/10/2068
गुरु 05/04/2025	शनि 17/12/2033	बुध 14/10/2053	केतु 14/12/2059	शुक्र 15/06/2070
शनि 14/12/2027	बुध 14/12/2034	केतु 14/12/2054	शुक्र 14/12/2060	सूर्य 14/12/2070

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
14/12/2070	14/12/2077	14/12/2095	15/12/2111	15/12/2130
14/12/2077	14/12/2095	15/12/2111	15/12/2130	00/00/0000
मंगल 12/05/2071	राहु 26/08/2080	गुरु 01/02/2098	शनि 18/12/2114	बुध 13/05/2133
राहु 30/05/2072	गुरु 20/01/2083	शनि 15/08/2100	बुध 27/08/2117	केतु 10/05/2134
गुरु 06/05/2073	शनि 26/11/2085	बुध 21/11/2102	केतु 06/10/2118	शुक्र 10/03/2137
शनि 15/06/2074	बुध 14/06/2088	केतु 28/10/2103	शुक्र 06/12/2121	सूर्य 14/01/2138
बुध 12/06/2075	केतु 03/07/2089	शुक्र 28/06/2106	सूर्य 18/11/2122	चंद्र 16/06/2139
केतु 08/11/2075	शुक्र 02/07/2092	सूर्य 16/04/2107	चंद्र 18/06/2124	मंगल 12/06/2140
शुक्र 07/01/2077	सूर्य 27/05/2093	चंद्र 15/08/2108	मंगल 28/07/2125	राहु 30/12/2142
सूर्य 15/05/2077	चंद्र 26/11/2094	मंगल 22/07/2109	राहु 03/06/2128	गुरु 04/02/2145
चंद्र 14/12/2077	मंगल 14/12/2095	राहु 15/12/2111	गुरु 15/12/2130	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 10 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते हैं। उस प्रकार की दिक्कतों का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पत्ति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती हैं।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रयाप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक हैं। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।